अध्याय

02

जूझ

आनंद यादव

© JCERT not to be republished

लेखक परिचय :-

1. आनंद यादव
2. पूरा नाम - आनंद रतन यादव
3. जन्म - 30 नवंबर, 1935, कागल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में ।
4. मृत्यु - 27 नवंबर, 2016, पुणे में ।
5. इन का प्रारंभिक जीवन अत्यंत संघर्षमय रहा है।
6. मराठी एवं संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त कर डॉ. आनंद यादव बहुत समय तक पुणे विश्वविद्यालय में मराठी विभाग में कार्यरत रहे।
7. आनंद यादव मूलतः मराठी लेखक हैं ।
8. प्रमुख रचनाएँ - नटरंग, जूझ ।

   अब तक लगभग 25 रचनाएँ प्रकाशित ।
9. भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित 'नटरंग' हिंदी पाठकों के बीच भी काफी चर्चित रही ।
10. इनके द्वारा रचित आत्मकथात्मक उपन्यास 'जूझ' सन् 1990 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित है ।
11. आनंद यादव का उपन्यास के अतिरिक्त कविता - संग्रह, समालोचनात्मक निबंध आदि पुस्तकें भी प्रकाशित हैं।

पाठ का सारांश:-

'जूझ' कहानी मराठी उपन्यासकार आनंद रतन यादव के बहुचर्चित आत्मकथात्मक उपन्यास 'जूझ' का एक अंश है। इस उपन्यास को सन् 1990 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आत्मकथात्मक शैली के इस उपन्यास में ग्रामीण जीवन के खुरदरे यथार्थ का मर्मस्पर्शी चित्रण है।

'जूझ' उपन्यास के इस अंश में कथानायक 'आनंदा' (आनंद यादव) के किशोर-जीवन की संघर्ष-गाथा है। निम्न मध्यवर्गीय कृषक-पुत्र आनंदा को जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। कक्षा चार की पढ़ाई के बाद पिता ने उसे पाठशाला जाने से रोक दिया है । उसे खेत में पानी देना, ढोर चराना तथा कोल्हू पर काम करना पड़ता है। पिता की सोच के विपरीत उसे खेती में कोई भविष्य नहीं दिखता है। वह आगे पढ़कर

© JCERT not to be republished

नौकरी में लगना चाहता था। वह अपनी बात पिता से कहने में डरता है। इसलिए वह माँ से बात करता है। माँ भी उसके पिता को 'बरहेला सूअर' मानती हुई बात करने से डरती है। लेखक माँ के साथ गाँव के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्ति दत्ता जी राव देसाई के पास जाता है। वहाँ माँ ने दीवार के साथ बैठकर उन्हें इसकी पढ़ाई की इच्छा के बारे में बताया और अपने पति की कामचोरी एवं बाजार में रखमाबाई के पास वक्त गुजारने की बात बतलायी। खुद लेखक ने भी अपनी इच्छा बतलायी। दत्ता जी राव देसाई भी उसका साथ देने एवं उसके पिता को समझाने के लिए तैयार हो जाते हैं। योजनानुसार दत्ता जी राव के पास किसी बहाने से उसके पिता को भेजा जाता है। थोड़ी देर में लेखक (आनंदा) भी पहुँचता है। वहाँ देसाई सरकार के सामने लेखक निडर होकर बतलाता है कि उसके पिता ने उसे पाठशाला जाने से रोक दिया है। देसाई सरकार उसके पिता को कामचोरी तथा पढ़ाई छुड़वाने के लिए फटकारते हैं तथा उस पर बालक को पढ़वाने के लिए दबाव डालते हैं। पिता बात मान लेते हैं किन्तु सुबह उठकर खेतों में पानी देने तथा शाम को ढोर चराने की शर्त पर पाठशाला जाने की इजाजत देते हैं।

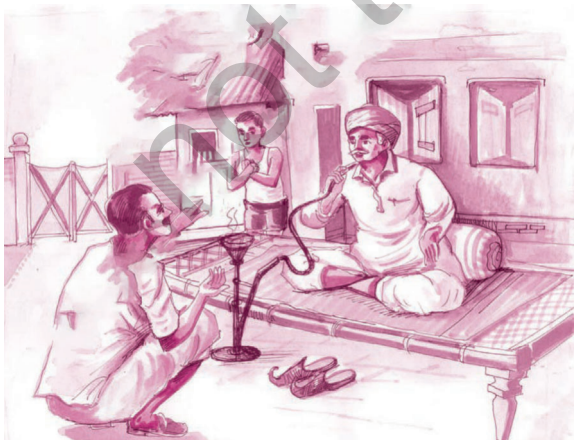

पाँचवीं की कक्षा में उसकी गली के दो लड़कों को छोड़ सभी अपरिचित थे। साथ ही सभी लड़के कम उम्र के थे। कक्षा के एक शरारती लड़के ने उसकी वेशभूषा का मजाक भी उड़ाया। उसका गंदा गमछा छीनकर शरारती लड़का चह्वाण मास्टर साहब की नकल करता है तथा उनकी टेबल पर ही छोड़ देता है। इसी तरह उसकी धोती भी लड़कों ने खोल दी थी। अपनी स्थिति उसे खिलौना के लिए बने कौआ के बच्चे की तरह दिखती है जिसे कौए जुटकर चारों ओर से चोंच मारते हैं। उसकी अपनी पाठशाला ही उसे चोंच मार-मार कर परेशान कर रही थी। उसने माँ से कहकर एक नयी टोपी और चड्डी मँगवा ली। स्कूल में मंत्री नामक गणित-अध्यापक शरारती लड़कों की पिटाई करने लगे, जिससे कक्षा में शरारत कम हुई। कक्षा के मॉनिटर वसंत पाटिल से लेखक दोस्ती करता है। वह उसी की तरह पढ़ने का प्रयास करता है। धीरे-धीरे लेखक भी पढ़ने में होशियार हो गया। मास्टर जी भी उसे प्रसन्न होकर 'आनंदा' नाम लेकर पुकारने लगे, जो नाम केवल माँ ही कहती थी।

न. वा. सौंदलगेकर मास्टर का मराठी कविता पढ़ाने का ढंग लेखक को बहुत पसंद था। मास्टर स्वयं भी कविता लिखते थे। आनंदा (लेखक) खेत में काम करते हुए मास्टर की ही भाँति हाव-भाव,यति-गति और आरोह-अवरोह के अनुसार गाने का प्रयास करता है। कविता पढ़ते रहने से उसे अकेलेपन की ऊब नहीं होती। लेखक के कविता-गायन से मास्टर इतना प्रभावित हुए कि उसे विद्यालय-समारोह में भी गाने के लिए कहा। मराठी

© JCERT not to be republished

मास्टर कक्षा में कवियों के संस्मरण भी सुनाते थे, जिसे जानकर लेखक को विश्वास हो गया कि कवि कोई अलौकिक व्यक्ति नहीं, बल्कि

हाड़-मांस का मनुष्य ही होता है। उसे भी अपने अंदर कवि के होने का अहसास होता है। वह भी तुकबन्दी करने लगता है। अपनी रची कविता वह मास्टरजी को दिखाता था, कभी तो अति उत्साह में रात को भी दिखाने पहुँच जाता था। मास्टर जी उसे कविता का शास्त्र समझाते थे, छंद, अलंकार,लय आदि का ज्ञान कराते थे, शुद्ध भाषा का महत्त्व समझाते थे। इस प्रकार लेखक को अपनी कवि प्रतिभा तराशने का अवसर मिला । उसे शब्दों के साथ खेलने में आनंद आने लगा।

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर :-

अभ्यास

1. 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथानायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?

उत्तर :- किसी भी रचना का शीर्षक उसके मूल विषय- वस्तु को दर्शाता है। इस कहानी में कथानायक आनंदा के विभिन्न स्तर पर संघर्ष को चित्रित किया गया है। कथानायक आनंदा (लेखक) के जुझारू व्यक्तित्व का चित्रण पूरी कथा में है। यही जुझारूपन लेखक के व्यक्तित्व की केन्द्रीय विशेषता है। वह स्वयं व्यक्तिगत स्तर, पारिवारिक स्तर, सामाजिक स्तर, विद्यालय में सहपाठियों के स्तर, आर्थिक स्तर आदि सभी स्तर पर जूझते हुए दिखाई पड़ता है। उसकी पढ़ाई की इच्छा एवं कुछ कर गुजरने की अभिलाषा ही उसके संघर्ष को बल देती है। अतः इस उपन्यास-अंश का शीर्षक 'जूझ' बहुत उचित है।

2. स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ?

उत्तर :- श्री सौंदलगेकर मास्टर का मराठी कविता पढ़ाने की शैली ने लेखक को कविता के प्रति रुचि जगायी। उनका सस्वर काव्यपाठ, छंद, लय, गति,अलंकार आदि का अध्यापन लेखक को कविता समझने में सहायक होता है। स्वयं श्री सौंदलगेकर की कविता एवं अन्य कवियों के संस्मरण से लेखक को विश्वास हुआ कि कवि किसी दूसरे लोक के नहीं, बल्कि मनुष्य ही होते हैं। मास्टर जी की 'मालती की बेल' कविता से लेखक को लगा कि वह भी अपने आस-पास की चीजों पर कविता रच सकता है। पाठशाला के समारोह में गायन तथा मराठी मास्टर के प्रोत्साहन और शाबाशी से लेखक में आत्मविश्वास पैदा हुआ कि वह भी कविता रच सकता है।

3. श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रुचि जगाई।

उत्तर : मास्टर श्री सौंदगलेकर का कविता पढ़ाने की शैली लेखक को अत्यधिक प्रभावित करता है। कविता पढ़ाते समय वे स्वयं रम जाते थे। वे अपने सुरीले गले से छंद की अच्छी गति के साथ पहले गायन करते थे। फिर अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते थे। नयी पुरानी मराठी कविताओं तथा अँग्रेजी कविताओं को सुनाकर वे कविता के लय,ताल और गति का बोध कराते थे। वे कवि यशवंत, बा. भ. बोरकर, भा. रा. ताँबे, गिरीश, केशवकुमार आदि कवियों के साथ अपनी मुलाकात का संस्मरण भी सुनाते थे। मास्टर सौंदगलेकर स्वयं भी अपनी रचना कक्षा में सुनाते थे। उनकी एक कविता जो उनके दरवाजे पर पर छायी मालती की बेल पर थी, उसे सुनकर लेखक को लगा कि कवि भी हाड़-मांस का मनुष्य होता है, अलौकिक नहीं। उसे लगने लगा कि वह भी अपने आसपास की चीजों, पेड़-पौधों, फसलों,

© JCERT not to be republished

पशुओं आदि को कविता के माध्यम से चित्रित कर सकता है। कक्षा के बाहर अपने घर पर भी रात के समय भी जब लेखक अपनी रचना लेकर मास्टर के पास पहुँचता तो वे उसे शाबाशी देते, कविता-शास्त्र, अलंकार, शुद्ध भाषा प्रयोग, संस्कृत शब्दों के प्रयोग आदि के संबंध में लेखक को समझाते रहते थे । इस तरह लेखक को कवि बनाने में मास्टर श्री सौंदलगेकर का विशेष योगदान है।

4. कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

उत्तर :- कविता के प्रति लगाव से पहले जब लेखक खेतों में पानी लगाता या ढोर चराता या अन्य काम करता तो उसे अकेलापन बहुत कष्ट देता था, अकेलेपन के कारण वह बहुत ऊब जाते थे। उसकी इच्छा होती थी कि किसी के साथ बोलते-गपशप करते, हँसी मजाक करते हुए काम करे।

कविता के प्रति लगाव के बाद उसे अकेलेपन से ऊब नहीं होती। उल्टे उसे एकांत अच्छा लगने लगा, ताकि वह अपनी रची हुई कविता को जोर से गा सके, अभिनय कर सके और थुई-थुई करके नाच सके।

5. आपके खयाल से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ताजी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? तर्क सहित उत्तर दें।

उत्तर :- पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक की सोच थी कि पढ़ जाऊँगा तो नौकरी लग जायेगी, चार पैसे हाथ में रहेंगे तो बिठोबा अण्णा की तरह कोई कारोबार कर सकेंगे। दत्ता जी राव भी लेखक का उत्साह देखकर उसे पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जबकि लेखक के पिता को उसकी पढ़ाई-लिखाई पसंद नहीं है । वह लेखक के पढ़ाई-लिखाई का विरोध करता है। मेरे विचार में लेखक और दत्ता जी राव दोनों सही हैं, क्योंकि शिक्षा व्यक्ति को उसकी प्रतिभा निखारने तथा अपना जीवन सँवारने का अवसर देती है, शिक्षा ही वह आँख होती है जो सही-गलत की पहचान कराती है।

6. दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? अनुमान लगाएँ।

उत्तर :- गाँव के सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली व्यक्ति दत्ता जी राव देसाई से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ ने एक झूठ का सहारा लिया। माँ लेखक के पिता को दत्ता जी राव देसाई के पास भेजने के लिए झूठ बोलती है। वह यदि झूठ न बोलती तो देसाई सरकार पिता पर दबाव न डाल पाते और लेखक की पाठशाला जाने की इच्छा धरी-की-धरी रह जाती। न तो वह पढ़ पाता और न ही 'जूझ' जैसा प्रेरणादायक उपन्यास लिख पाता।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-उत्तर :

प्रश्न 1. 'जूझ' शीर्षक का पाठ के संदर्भ में क्या औचित्य है ?

(क) पाठ में बालक के जीवन-संघर्ष का वर्णन है।

(ख) पाठ में खेत में काम करने का संघर्ष।

(ग) पाठ में ढोर चराने का संघर्ष है।

(घ) पाठ में शरारती बच्चे अन्य बच्चों को परेशान करते।

उत्तर - (क) पाठ में बालक के जीवन-संघर्ष का वर्णन है

प्रश्न 2. 'जूझ' पाठ के लेखक का नाम बताइये?

(क) आंनद गुप्ता

(ख) आनंद रतन यादव

(ग) आनंदा सिंह

(घ) राजेश जोशी

उत्तर- (ख) आनंद रतन **यादव**

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से 'जूझ' पाठ का कथानायक कौन है?

(क) दत्ता जी राव

(ख) आनंदा

(ग) लेखक का दादा

(घ) श्री सौंदलगेकर

उत्तर- (ख) आ**नंदा**

प्रश्न 4. 'जूझ' नामक पाठ किस भाषा का हिन्दी अनुवाद है?

(क) ब्रज भाषा का

(ख) खड़ी बोली हिन्दी का

(ग) मराठी भाषा का

(घ) अवधी भाषा का

उत्तर- (ग) मराठी भाषा **का**

प्रश्न 5. बालक आनंदा के पिता सबसे पहले कोल्हू चलाना क्यों चाहते हैं?

(क) ईख की फसल का लाभ सबसे पहले अधिक लेने के लिए

(ख) खेती के कार्य को सबसे पहले खत्म करने के लिए

(ग) अपने बेटे आनंदा को परेशान करने के लिए

(घ) दत्ता जी राव के कहने के अनुसार

उत्तर - (क) एक की फसल का लाभ सबसे पहले अधिक लेने के लिए

© JCERT not to be republished

प्रश्न – किसी भी स्थान को साक्षात देखने और पढ़ने में क्या अंतर है?

उत्तर – लेखक के अनुसार दोनों में बहुत ही अंतर है किसी स्थान को जब हम साक्षात देखते हैं तो उसे हम अपने में अनुभव कर पाते हैं किंतु दृश्यों में या पढ़कर हम स्थानों का साक्षात अनुभूति नहीं कर सकते है।

प्रश्न – लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि बार-बार दृश्यों को देखा जाए तो उन्हें याद करने की आवश्यकता नहीं है?

उत्तर – लेखक को ऐसा लगता है कि बार-बार दृश्य को देखा जाए तो नहीं याद करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह हमारे जेहन (मन) में बस जाता है।

प्रश्न – 'गढ़' की परिभाषा पुरातत्व विद्वान क्या देते हैं?

उत्तर – स्तूप वाला चबूतरा को पुरातत्व के विद्वान गढ़ कहते हैं।

प्रश्न – स्तूप का अर्थ बताएं?

उत्तर – मिट्टी या पत्थर का ऊंचा ढ़ेर।

प्रश्न – सिंधु घाटी सभ्यता में पाए गए अनुष्ठानिक महाकुंड का महत्व क्या है?

उत्तर – सिंधु घाटी सभ्यता में पाए गए अनुष्ठानिक महाकुंड एकमात्र ऐसा अवशेष है जो आज भी अपने मूल स्वरूप में विद्यमान है इस प्रकार यह अपने अद्वितीय वास्तुकला के कारण प्रसिद्ध है ।

प्रश्न – मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?

उत्तर – नगर नियोजन मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी विशेषता है।

प्रश्न – ग्रिड प्लान क्या है?

उत्तर – जिन सड़कों का निर्माण सीधी या आड़ी की गई है उसे वास्तुकार ग्रिड प्लान कहते हैं।

प्रश्न – सेक्टर मार्का कॉलोनियों का क्या अर्थ है?

उत्तर – किसी नगर के बड़े मोहल्ला को सेक्टर कहते हैं। नगर में स्थापित मोहल्ले के डिजाइन एक समान होता है।

प्रश्न – आज के सेक्टर मार्का कॉलोनियों में अराजकता ज्यादा हाथ लगती है क्यों?

उत्तर – सिंधु घाटी सभ्यता में जो नगर नियोजित किए थे वे काफी रचनात्मक थे जैसे सड़के काफी चौड़े थे जल निकास के उत्तम प्रबंध थेकिंतु आज के सेक्टर मार्का कॉलोनियों में इन सब बातों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है इसलिए शहर के विकास में बाधा पहुंचती है।

प्रश्न – ब्रासीलिया या चंडीगढ़ और इस्लामाबाद किस शैली के शहर है?

उत्तर – ग्रिड शैली के शहर हैं जो अधिकांश नगर नियोजन के प्रतिमान (मॉडल)ठहराए जाते हैं।

© JCERT not to be republished

प्रश्न – मोहनजोदड़ो में सामूहिक स्नान किसी अनुष्ठान का अंग होता था यहां सामूहिक स्नान किस बात की ओर इशारा करती है ?

उत्तर – मोहनजोदड़ो में सामूहिक स्नान इस बात को सूचित करता है कि यह सभ्यता राज पोषित नहीं था यहां पर लोकतंत्र का बोलबाला था।

प्रश्न – सिंधु घाटी सभ्यता की विशिष्ट पहचान क्या थी?

उत्तर – पक्की और समरूप आकार में पाई जाने वाली धूसर ईटें सिंधु घाटी सभ्यता की विशिष्ट पहचान थी।

प्रश्न – सिंधु घाटी सभ्यता मूलता खेतिहर और पशुपालक सभ्यता थी कैसे?

उत्तर – गेहूं, जौ, सरसों और चने की उपज के पुख्ता सबूत खुदाई में मिले हैं जिससे यह प्रमाणित होता है कि सिंधु घाटी सभ्यता मूलता खेतिहर और पशुपालक सभ्यता थी।

प्रश्न – मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मोहनजोदड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग मिलता है?

उत्तर – यूनान में जो सभ्यता पाई गई वह मेसोपोटामिया की सभ्यता थी। मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मोहनजोदड़ो के लिए मेलुहा शब्द का प्रयोग किया गया है।

प्रश्न – कार्बूजिए कौन थे?

उत्तर – कार्बूजिए चंडीगढ़ शहर के डिजाइनर थे उनकी ही देखरेख में चंडीगढ़ शहर को स्थापित किया गया।

प्रश्न – सिंधु घाटी सभ्यता की नगर योजना अपने समय का श्रेष्ठ योजना था कैसे?

उत्तर – सिंधु घाटी सभ्यता की नगर योजनाएं काफी रचनात्मक शैली में बनाया गया था इसका प्रमाण यही है कि चंडीगढ़ शहर को स्थापित करने के लिए कार्बूजिए द्वारा जिस शैली का प्रयोग किया गया था वह सिंधु घाटी सभ्यता की नगर योजना से मिलती जुलती है।

© JCERT not to be republished

अतीत में दबे पांव: बहुविकल्पी प्रश्न

1) 'अतीत के दबे पांव' के लेखक का नाम बताएं?

क) यशपाल

ख) नागार्जुन

ग) ओम थानवी

घ) रामदास बनर्जी

उत्तर -ग) ओम थानवी

2) दुनिया के दो सबसे पुराने नियोजित शहर का नाम बताएं?

क) मोहनजोदड़ो और हड़प्पा

ख) लोथल और कालीबंगा

ग) सिंध और लरकाना

घ) धोलावीरा और राखीगढ़ी

उत्तर -क) मोहनजोदड़ो और हड़प्पा

3) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक कौन थे?

क) जॉन मार्शल

ख) राखल दास बनर्जी

ग) दीक्षित काशीनाथ

घ) मार्टिमर वीर्य

उत्तर -क) जॉन मार्शल

4) रखलदास बनर्जी कौन थे?

क) समाजसेवी

ख) समाजशास्त्री

ग) पुरातत्ववेत्ता

घ) लेखक

उत्तर -ग) पुरातत्ववेत्ता

5) मोहनजोदड़ो का अर्थ है-

क) स्नानागार

ख) कुंड

ग) मुर्दों का टीला

घ) सोने का किला

उत्तर -ग) मुर्दों का टीला

6) मोहनजोदड़ो नगर टीलों पर बसाया गया था ताकि -

क) बाढ़ आने पर नगर बचा रहे

ख) दलदल से बचने के लिए

ग) भूकंप से बचा रहे

घ) शत्रुओं पर नजर रख सके

उत्तर -क) बाढ़ आने पर नगर बचा रहे

© JCERT not to be republished

7) मोहनजोदड़ो नगर के टीले की क्या विशेषताएं थी?

क) ये कृत्रिम थे

ख) कच्ची ईंटों से बनाए गए थे

ग) पक्की ईंटों से बनाए गए थे

घ) इनमें से सभी

उत्तर -घ) इनमें से सभी

8) मोहनजोदड़ो की कुल आबादी थी?

क) 8500

ख) 7500

ग) 7000

घ) 2000

उत्तर -क) 8500

9) सिंधु घाटी सभ्यता को अन्य किस काल के नाम से जाना जाता है?

क) स्वर्णकाल

ख) कांस्यकाल

ग) ताम्र काल

घ) लौह काल

उत्तर -ग) ताम्र काल

10) ताम्र काल के शहरों में सबसे बड़ा शहर कौन सा था?

क) हड़प्पा

ख) मोहनजोदड़ो

ग) लोथल

घ) कालीबंगा

उत्तर -ख) मोहनजोदड़ो

11) मोहनजोदड़ो के महानगर को महानगर के परिधि में क्यों रखा गया था?

क) अधिक आबादी के कारण

ख) मृदभांड के कारण

ग) ईटों के कारण

घ) व्यापार के कारण

उत्तर -क) अधिक आबादी के कारण

12) हड़प्पा के ज्यादातर साक्ष्य का क्या हुआ?

क) संभाल कर रखे गए हैं

ख) नष्ट हो गए

ग) कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है

घ) इनमें से कोई नहीं है

उत्तर -ख) नष्ट हो गए

13) रेल लाइन बिछाने के दौरान किस पुरास्थल के अधिकांश साक्ष्य नष्ट हो गए?

क) हड़प्पा

ख) मोहनजोदड़ो

ग) लोथल लोथल

© JCERT not to be republished

घ) कालीबंगा

उत्तर -क) हड़प्पा

14) मोहनजोदड़ो के सबसे ऊंचे चबूतरे पर क्या पाया गया है?

क) जैन स्तूप

ख) बौद्ध स्तूप

ग) मठ

घ) मंदिर

उत्तर -ख) बौद्ध स्तूप

15) 'गढ़' की परिभाषा पुरातत्व विद्वान क्या देते हैं?

क) पत्थर

ख) स्तूप वाला चबूतरा

ग) किला

घ) बस्ती

उत्तर -ख) स्तूप वाला चबूतरा

16) स्तूप का अर्थ बताएं?

क) मिट्टी या पत्थर का ऊंचा ढ़ेर

ख) पत्थर

ग) किला

घ) बस्ती बस्ती

उत्तर -क) मिट्टी या पत्थर का ऊंचा ढ़ेर

17) स्तूप वाले चबूतरे से कितनी दूर पर सिंधु नदी बहाती है?

क) पांच किलोमीटर

ख) आधा किलोमीटर

ग) एक किलोमीटर

घ) तीन किलोमीटर

उत्तर -क) पांच किलोमीटर

18) चबतूरे पर किन के कमरे बने हुए थे?

क) राजाओं के

ख) भिक्षुओं के

ग) मजदूरों के

घ) रईसों के

उत्तर -ख) भिक्षुओं के

19) पूरब में पाई गई बस्ती को पुरातत्ववेत्ता किस प्रकार की बस्ती मानते हैं?

क) गरीबों की बस्ती

ख) रईसों की बस्ती

ग) मजदूरों की बस्ती

घ) पुजारियों की बस्ती

उत्तर -ख) रईसों की बस्ती

© JCERT not to be republished

20) दक्षिण में जो टूटे-फूटे घरों का जमघट है उन्हें किनकी बस्ती मानी गई है?

क) गरीबों की बस्ती

ख) रईसों की बस्ती

ग) मजदूरों की बस्ती

घ) कामगारों की बस्ती

उत्तर -घ) कामगारों की बस्ती

21) मोहनजोदड़ो नगर कितने हजार साल पहले का है?

क) एक हजार साल पहले

ख) दो हजार साल पहले

ग) पांच हजारों साल पहले

घ) दस हजार साल पहले

उत्तर -ग) पांच हजारों साल पहले

22) लेखक के दृष्टिकोण में मोहनजोदड़ो की क्या खूबी थी?

क) बिखरे अवशेष

ख) साक्ष्य

ग) मजबूती से बनाए गया शहर

घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -ग) मजबूती से बनाए गया शहर

23) सिंधु घाटी सभ्यता अपने समय की सबसे समृद्ध सभ्यता थी कैसे -

क) उत्कृष्ट वास्तुकला के कारण

ख) अपनी नगर नियोजन के कारण

ग) अपनी सभ्यता और संस्कृति के कारण

घ) इनमें से सभी

उत्तर -घ) इनमें से सभी

24) सिंधु घाटी सभ्यता के कुंड बने हुए थे-

क) सीमेंट के

ख) पत्थर के

ग) पक्के ईटों के

घ) चूना पत्थर के

उत्तर -ग) पक्के ईटों के

25) मोहनजोदड़ो के मोहरों पर किन पशुओं की आकृति मिली है?

क) शेर

ख) हाथी

ग) गैंडा

घ) इनमें से सभी

उत्तर -घ) इनमें से सभी

© JCERT not to be republished

26) विशाल कोठार किस प्रयोग में लाया जाता था?

क) शीत भंडारण के लिए

ख) अस्त्र रखने के लिए

ग) अनाज रखने के लिए

घ) सोने के लिए

उत्तर -ग) अनाज रखने के लिए

27) फसलों की ढुलाई किसके द्वारा की जाती थी?

क) ऊंट द्वारा

ख) घोड़े द्वारा

ग) बैलगाड़ी के द्वारा

घ) सिर पर रखकर

उत्तर -ग) बैलगाड़ी के द्वारा

28) 'दाढ़ी वाले नरेश' को क्या नाम दिया गया है?

क) नरेश

ख) मुख्य नरेश

ग) शक्तिशाली नरेश

घ) याजक नरेश

उत्तर -घ) याजक नरेश

29) खुदाई में प्राप्त नर्तकी की मूर्ति को किस संग्रहालय में रखा गया है?

क) दिल्ली संग्रहालय

ख) पटना संग्रहालय

ग) कोलकाता संग्रहालय

घ) लंदन संग्रहालय

उत्तर-क) दिल्ली संग्रहालय

30) लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि बार-बार दृश्यों को देखा जाए तो उन्हें याद करने की आवश्यकता नहीं है?

क) दृश्य हमारे मन में बस जाते हैं

ख) दृश्यों को भी भूल जाते हैं

ग) दृश्य धुंधले हो जाते हैं

घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -क) दृश्य हमारे मन में बस जाते हैं

31) लेखक को मोहनजोदड़ो के अवशेषों को देखकर किस गांव की याद आ गई?

क) वसंतपुर

ख) कुलधरा

ग) राधा गांव

घ) गोविंदपुर

उत्तर -ख) कुलधरा

© JCERT not to be republished

32) सिंधु घाटी सभ्यता में पाए गए अनुष्ठानिक महाकुंड का महत्व क्यों है?

क) अपने मूल स्वरूप में विद्यमान होने के कारण

ख) अपने टूटे अवशेष के कारण

ग) लोगों के दृष्टि में ना आने के कारण

घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -क) अपने मूल स्वरूप में विद्यमान होने के कारण

33) जिन सड़कों का निर्माण सीधी या आरी की गई है उसे वास्तुकार क्या कहते हैं?

क) ग्रिड प्लान

ख) सड़क निर्माण

ग) चतुर्भुज सड़क

घ) तिकोनी आकृति

उत्तर -क) ग्रिड प्लान

34) मोहनजोदड़ो में सामूहिक स्नान किस बात की ओर इशारा करती है ?

क) लोकतंत्र की ओर

ख) राजतंत्र की ओर

ग) अराजकता की ओर

घ) इनमें से सभी

उत्तर -क) लोकतंत्र की ओर

35) पक्की और समरूप आकार में पाई जाने वाली धूसर ईटें किस सभ्यता की विशिष्ट पहचान थी?

क) मेसोपोटामिया सभ्यता की

ख) मिस्र की सभ्यता

ग) सिंधु घाटी की सभ्यता

घ) बेबीलोन की सभ्यता

उत्तर -ग) सिंधु घाटी की सभ्यता

36) सिंधु घाटी सभ्यता मूलता खेतिहर सभ्यता थी इसके क्या प्रमाण हैं?

क) कृषि के साक्ष्य मिलने के कारण

ख) नहर मिलने के कारण

ग) कुआं को मिलने के कारण

घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -क) कृषि के साक्ष्य मिलने के कारण

37) मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मोहनजोदड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग मिलता है?

क) मेलुहा

ख) सिंधु

ग) हिंदू

घ) मुर्दों का टीला

उत्तर -क) मेलुहा

© JCERT not to be republished

38) चंडीगढ़ शहर के डिजाइनर कौन थे?

क) कार्बूजिए

ख) राखाल दास बनर्जी

ग) जॉन मार्शल

घ) ओम थानवी

उत्तर -क) कार्बूजिए

39) चंडीगढ़ की नगर योजना किस सभ्यता की नगर योजना से से मिलती जुलती है?

क) मेसोपोटामिया

ख) मिस्र

ग) सिंधु घाटी

घ) बेबीलोन

उत्तर -ग) सिंधु घाटी

40) मोहनजोदड़ो में लगभग कितने कुएं मिले हैं?

क) सात सौ

ख) पांच सौ

ग) तीन सौ

घ) चार सौ

उत्तर -क) सात सौ

41) मोहनजोदड़ो में कुओं को छोड़कर सभी चीजों की आकृति लगभग कैसी है?

क) समतल

ख) गोल

ग) चौकोर या आयताकार

घ) त्रिकोण

उत्तर - ग) चौकोर या आयताकार

42) हथियार और उपासना स्थल के साक्ष्य किस सभ्यता में नहीं मिले हैं?

क) मेसोपोटामिया

ख) मिस्र

ग) सिंधु घाटी

घ) बेबीलोन

उत्तर -ग) सिंधु घाटी

43) 'डीके' हलका किसके नाम पर रखा गया है?

क) दीक्षित काशीनाथ

ख) दिनेश कुमार

ग) दयानंद कुमार

घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -क) दीक्षित काशीनाथ

© JCERT not to be republished

44) राजस्थान, पंजाब और गुजरात के मकान किस से मिलते जुलते हैं?

क) मोहनजोदड़ो

ख) लोथल

ग) कालीबंगा

घ) धोलावीरा

उत्तर -क) मोहनजोदड़ो

45) महान स्नानागार, महाकुंड,नरेश के छोटे मुकुट सिंधु घाटी सभ्यता के किस विशेषता को इंगित करता है?

क) समाज पोषित सभ्यता

ख) धर्म पोषित सभ्यता

ग) राज पोषित सभ्यता

घ) इनमें से सभी

उत्तर -क) समाज पोषित सभ्यता

46) लेखक को अजायबघर में प्रदर्शित चीजों में क्या देखकर आश्चर्य हुआ?

क) मिट्टी की बैलगाड़ी

ख) काले पड़ गए गेहूं

ग) हथियार के स्थान पर औजार

घ) खिलौने

उत्तर -ग) हथियार के स्थान पर औजार

47) लेखक ने सिंधु घाटी सभ्यता में भव्यता का आडंबर नहीं होने के कारण इस सभ्यता को क्या माना है?

क) लो प्रोफाइल सभ्यता

ख) हाई प्रोफाइल सभ्यता

ग) अस्तित्व विहीन सभ्यता

घ) सामान्य सभ्यता

उत्तर -क) लो प्रोफाइल सभ्यता

48) 'अतीत के दबे पांव' पाठ किस विधा की रचना है?

क) कहानी

ख) नाटक

ग) यात्रा वृतांत

घ) कविता

उत्तर- ग) यात्रा वृतांत

© JCERT not to be republished

पाठ के आसपास

मोहनजोदड़ो – सिंध प्रांत में स्थित पुरातात्विक स्थान जहां सिंधु घाटी सभ्यता बसी थी ।

मोहनजोदड़ो का अर्थ – मुर्दों का टीला।

हड़प्पा – पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का पुरातात्विक स्थान जहां सिंधु घाटी की सभ्यता का दूसरा प्रमुख नगर बसा था।

ताम्रकाल – वह काल जब मानव ने तांबे का प्रयोग सीखा।

मेसोपोटामिया – मेसोपोटामिया सभ्यता, जिसे सुमेरियन सभ्यता के रूप में भी जाना जाता है, यह अब तक मानव इतिहास में दर्ज सबसे प्राचीन सभ्यता है। टाइग्रिस नदियों के बीच में स्थित एक जगह है जो अब इराक का हिस्सा है।

© JCERT not to be republished